>MR. SPEAKER: Shri Mohan Rawale, Shri Suresh Ramrao Jadhav and Prof. Rasa Singh Rawat have given similar notices.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: We can keep it for the Business Advisory Committee for consideration. There is no problem.

...(*Interruptions*)

श्री सुरेश रामराव जाधव (परमनी) : अध्यक्ष महोदय, मैंने जीरो आवर का नोटिस दिया है। जो विाय मैं उठाने वाला हूं, वह बहुत महत्वपूर्ण है। सुप्रीमकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस श्री खरे की दो सदस्यीय बैंच ने दिनांक 23 जुलाई को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है कि देश में एकता और अखंडता कायम रखने के लिए पूरे देश में यूनीफॉर्म सिविल कोड को लागू करना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी) : यह फैसला नहीं है, रिकमेंडेशन है।â€¦ (व्यवधान) हम स्ट्रोंगली इस बात का ऑब्जेक्शन करते हैं, आर्टीकल 44 कांस्टीट्यूशन से निकाल देना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जाधव जी, यह फैसला नहीं है, सिफारिश है।

â€¦ (व्यवधान)

श्री जी.एम.बनातवाला : आर्टीकल 44 कांस्टीट्यूशन से निकाल दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : यूनिफार्म सिविल कोड क्या है, यह पहले बता दें।â€¦ (व्यवधान)

श्री सुरेश रामराव जाधव : समान नागरिक संहिता।â€¦ (व्यवधान) आप पहले मेरी पूरी बात सुन लीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : चतुर्वेदी जी, आप बैठ जाइए, इन्हें जितना मालूम है, उतना बोलेंगे।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, देश में कानून सब के लिए समान है।â€¦ (व्यवधान)

श्री सुरेश रामराव जाधव : आपको बताने की जरूरत नहीं है, हम इस विाय पर बोल सकते हैं।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, हमारा भी एक नोटिस है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सब नोटिस रिजेक्ट कर दिए हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : क्या हमारी बात सुनेंगे नहीं?â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हर नोटिस पर बोलने की इजाजत नहीं है। हर नोटिस पर चर्चा नहीं होगी। मैंने सब नोटिस रिजेक्ट कर दिए हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : क्या हमारी बात को नहीं सुनेंगे?

अध्यक्ष महोदय : आप जीरो ऑवर में बोलिए।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : क्या जीरो ऑवर में हमें बोलने का समय मिलेगा।

अध्यक्ष महोदय : जरूर मिलेगा।

Title: Need to enact and implement the Uniform Civil Code in the country.

श्री सुरेश रामराव जाधव : यूनिफार्म सिविल कोड को लागू करना जरूरी है। इस देश में एकमात्र शिवसेना ही ऐसी पार्टी है, शिवसेना के बालासाहेब ठाकरे पूरे हिन्दुस्तान में एकमात्र ऐसे नेता हैं। हम शुरू से ही युनिफार्म सिविल कोड लागू करने की मांग करते आ रहे हैं। पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मंशा जाहिर नहीं की, इसके पहले दो बार मेरे ख्याल से शाहबानो केस के समय, 1985-86, 1991-92 में और 23 तारीख को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने इस मंशा को जाहिर किया है कि इस देश में यूनिफार्म सिविल कोड को लागू करना है। हमारे संविधान के अनुच्छेद 44 में जो है, उसमें इस देश में कॉमन सिविल कोड को पहले से ही लागू करना था। आजादी के 55 साल हो गए लेकिन अभी तक इस देश में कामन सिविल कोड को लागू नहीं किया, इस पर हमारे चीफ जस्टिस खरे ने आपत्ति जताई। वे बोलते हैं कि मुख्य न्यायाधीश ने कहा। खेद की बात है कि संविधान के अनुच्छेद 44 को लागू नहीं किया गया। इस देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए संसद को आगे कदम बढ़ाना होगा।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जाधव जी, अब आप समाप्त कीजिए।

श्री सुरेश रामराव जाधव : अध्यक्ष महोदय, हमें एक-दो मिनट का समय और दे दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जीरो ऑवर में एक-दो मिनट में प्वाइंट्स क्लियर करने होते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सुरेश रामराव जाधव : कृपा कर हमारी पूरी बात सुनी जाए। अगर इस देश में एकता को कायम करना है, अखंडता रखनी है तो इस कानून के सामने देश का हर नागरिक समान होना चाहिए।â€¦ (व्यवधान) चाहे मजहब अलग-अलग हों - मुस्लिम मजहब हो सकता है, हिन्दुओं का मजहब हो सकता है, लेकिन इस देश में कॉमन सिविल कोड को लागू करना चाहिए, यह हमारी मांग है।â€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : हम भी सपोर्ट करते हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : अध्यक्ष महोदय, मैंने भी नोटिस दिया हुआ है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपकी पार्टी का मेम्बर बोल रहा है, उसे बोलने दीजिए।

श्री मोहन रावले : मेरा कहना यह है कि सदन की आम राय होनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कम से कम आपकी पार्टी का जब मेम्बर बोलता है तो उसे बोलने देना चाहिए।

श्री मोहन रावले : कांग्रेस की महिला हमारी बहन सोनिया गांधी हैंâ€¦ (व्यवधान) इस पर मैंने भी नोटिस दिया हुआ है।â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : इस मामले में आम राय नहीं है, इसलिए इस पर बहस करा ली जाये।â€¦ (व्यवधान)

श्री मोहन रावले : क्यों आम राय नहीं है। देश में सब के लिए कानून अलग है, जबकि देश में सब के लिए एक जैसा कानून होना चाहिए। ये सब इस मुद्दे पर राजनीति करना चाहते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने श्री रासा सिंह रावत का नाम पुकारा है। आप बैठिये, प्लीज।

श्री मोहन रावले : महिला किसी की बहन होती है, किसी की मां होती है, किसी की बेटी होती हैâ€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यह एन.डी.ए. के एजेण्डे में नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : अगर आप सुप्रीम कोर्ट का निर्णय मानते हैंâ€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : यह शिवसेना का एजेण्डा है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास अभी रासा सिंह रावत जी का नोटिस है, मैंने उनको बोलने की इजाजत दी है। रासा सिंह रावत जी, आप बोल सकते हैं। रासा सिंह रावत जी के अलावा कुछ रिकार्ड पर नहीं जायेगा।

*(Interruptions) â€¦ **

प्रो. रासा सिंह रावत : मान्यवर अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो सारा विपक्ष हमेशा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की दुहाई देता है और ये लोग कहते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय जो निर्णय देगा, वह हमें मान्य होगा और अब सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 44 के बारे में समान नागरिक आचार संहिता के बारे में जो निर्णय दिया है तो अब आप लोग सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की आलोचना करने में लगे हैं। बनातवाला जी तो यहां तक पहुंच गये कि अनुच्छेद 44 को ही संविधान से निकाल दो। यह भारतीय संविधान के निर्माताओं का घोर अपमान है। हम यह चाहते हैं कि देश की एकता को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा भावात्मक एकता स्थापित करने के लिए सम्पूर्ण देश में सभी सम्प्रदाय, पंथ और मतावलम्बियों के लिए समान आचार संहिता लागू करना अत्यन्त आवश्यक है।

* Not Recorded

MR. SPEAKER: I agree with you that if the House desires, we can take up this issue also for discussion. I have no problem. There can be a detailed discussion if the House so desires.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let the Business Advisory Committee decide it.

...(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, in 'Zero Hour' you cannot have an impromptu discussion.
...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: That is why, I am stopping him.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य आपको समर्थन दे रहे हैं, उनको तो बोलने दीजिए।

प्रो. रासा सिंह रावत : देश में एक समान आचार संहिता होनी चाहिए। एक तो मैं रेड्डी साहब से कहना चाहता हूं कि रेड्डी साहब, मेरा भी बोलने का अधिकार है। ताज के मामले में तो सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की दुहाई देते हैं और यह कितना महत्वपूर्ण निर्णय है। इस पर भारतीय संविधान की रक्षा करनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I go to the next subject.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : रतिलाल वर्मा जी, इसके बाद आपका नम्बर है।

श्री मोहन रावले : मैंने भी इस बारे में नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : मैंने जब आपका नाम पुकारा तो आप यहां नहीं थे। मैंने आपका नाम ही पहले पुकारा था।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already given a ruling on this subject that if the House so desires, they can take it to the Business Advisory Committee. There can be a detailed discussion. During 'Zero Hour', this subject cannot be discussed in detail.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप नोटिस दे देना। इस पर चन्द्रकान्त खैरे जी का नोटिस है। I will put it before the Business Advisory Committee.

...(*Interruptions*)

श्री चन्द्रकांत खैरे : मैंने नोटिस दिया है। इसे हम बी.ए.सी. में रखेंगे, इसके ऊपर डिटेल में चर्चा होनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : इस पर चर्चा करा ली जाये।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं यही कह रहा हूं।

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.): माननीय अध्यक्ष महोदय, समान नागिरक संहिता पर समाजवादी पार्टी की राय है कि नियम 184 के अन्तर्गत चर्चा करा लें।

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI (KHAJURAHO): Let it be under Rule 184. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please keep silence in the House.

...(*Interruptions*)